खुशी का खजाना हमारे भीतर ही है- ब्र.कु. अनिता

रानी बाग। हमारा आंतरिक व्यक्तित्व बनता है श्रेष्ठ विचार और सकारात्मक चिंतन से। इसलिए हमें बाह्य व्यक्तित्व की अपेक्षा आंतरिक व्यक्तित्व बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

उक्त विचार ब्र.कु.पुनम ने 'सकारात्मक सोच का जादू' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यदि हम किसी की उन्नति देखकर अपनी तुलना करते हैं तो इससे डिप्रेशन आता है और कमियों को देखने से अहंकार आता है। हमें समझना चाहिए कि इस सृष्टि नाटक में प्रत्येक मनुष्य अपना पार्ट बजा रहा है। उसके अंदर अच्छाइयां हैं तो बुराईयां भी हैं। हमें अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाकर प्रत्येक के अंदर विशेषताओं को देखनी चाहिए इससे हमारे अंदर स्वत: ही अच्छाईयां आयेगी। हमें इसके लिए अच्छे साहित्य, अच्छे व्यक्तियों का संग, करने की आवश्यकता है। हमें स्वयं की उन्नति के लिए अपनी दिनचर्या में से कुछ समय आत्मवलोकन के लिए अवश्य ही निकालना चाहिए। इस अवसर पर पायोनियर इंस्टीट्यूट के डारेक्टर प्रमोद जैन ने कहा कि आज मनुष्य के सामने पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक अनेक प्रकार की समस्याएं हैं इन समस्याओं का सामना करते हुये व्यक्ति अपने नैतिक मूल्यों को खो चुका है, और उसका मन कमजोर हो गया है। कमजोर मन नकारात्मक विचार ही उत्पन्न करेगा। अत: मन को सशक्त बनाने के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करना बहुत ही आवश्यक है।

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए प्रमोद जैन, प्रो.निशीत दुबे, ब्रजेश राणा, पार्षद दिलीप सुराडे, ब्र.कु.राजेश्वरी, ब्र.कु.पुनम।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.अनिता ने कहा कि आज का मानव अपनी शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये तो समय निकाल लेता है लेकिन अपनी आत्मा की उन्नति के लिये समय निकालना जरूरी नहीं समझता है। आंतरिक स्थिति कमजोर होने के कारण जीवन में आने वाली छोटी-छोटी परिस्थितियां से वह परेशान हो जाता है। जबकि राजयोग हमें बताता है कि जीवन में आने वाली अनेक समस्याओं का सहज समाधान आध्यात्मिकता में निहित है। उसे सिर्फ जानने और समझने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर मैनेजमेंट गुरु प्रो.निशीत दुबे, स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबंधक ब्रजेश राणा, पार्षद दिलीप सुराडे तथा ब्र.कु.राजेश्वरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

लघुनाटिका ''कौन देगा साथ मेरा'' का मंथन हुआ

अम्बिकापुर। जीवन में हम क्या प्राप्त करते हैं अथवा हमें क्या परिणाम प्राप्त होता है यह आवश्यक नहीं बल्कि आवश्यक यह है कि हम जिस परिस्थिति में है उसी में अपना 100% प्रयास करते हैं या नहीं। क्योंकि यही चीज हमारे मन में संतोष की प्राप्ति कराता है जो कि जीवन की सबसे बड़ी प्राप्ति है।

उक्त उद्गार विधायक टी.एस.सिंह देव ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित समर कैंप ''उत्कर्ष - 2012'' में अभिभावकों एवं बच्चों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का समर कैंप बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर होता है अपने अंदर की योग्यता को विकसित करने का जिससे वे अच्छे बुरे की पहचान कर, अपने लिए सही रास्ते का चुनाव कर सके। उन्होंने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार का उदाहरण देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार सिर्फ रुपए पैसों के दुरूपयोग से नहीं होता है बल्कि झूठ बोलने, चीटिंग करने या गलत तरीके से जीतने का प्रयास किया तो वो भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही आता है। इस प्रकार बाल जीवन में भ्रष्टाचार का बीजारोपण हो जाता है।

छत्तीसगढ़ हस्त शिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष अनिल सिंह मेजर ने कहा कि आज हमारी सोच में, परिवार में एवं समाज में मूल्यों एवं नैतिकता का ह्रास हुआ है। जिसके कारण समाज में अराजकता की स्थिति बनती जा रही है। माता-पिता द्वारा किया गया हर कर्म बच्चों के अंतर्मन में बैठता जाता है और बाद में वही कर्म उसके चरित्र का अभिन्न अंग बन जाता है। ब्र.कु.विद्या ने अपने विद्यार्थी जीवन का अनुभव बताते हुए कहा कि उन्होंने बचपन में ही अपने जीवन को मानव सेवार्थ समर्पित कर दिव्य बनाने का निर्णय ले लिया था। उन्होंने सुकरात का उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन की सुन्दरता हमारे श्रेष्ठ कर्मों से होती है न कि शारीरिक सौन्दर्य से। उन्होंने कहा कि व्यक्ति से परिवार, फिर समाज, फिर राष्ट्र और उसके बाद विश्व का निर्माण होता है इसलिए परिवर्तन की शुरूआत हमें स्वयं से ही करनी होगी तभी विश्व का परिवर्तन संभव होगा।

इस कार्यक्रम को सरगुजा विश्वविद्यालय के कुलपति सुनील वर्मा व भारतीय कृषक समाज सीतापुर के अध्यक्ष ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से भारत की पुरातन संस्कृति एवं आधुनिक सभ्यता की सुंदर अभिव्यक्ति की गई। कक्षा तीसरी की छात्रा कुमारी इन्द्राणी ने स्वागत नृत प्रस्तुत किया, कुमारी अनन्या सतपते ने भरत नाट्यम, अमन जायसवाल की आधुनिक नृत्य कला एवं बच्चों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका ''कौन देगा साथ मेरा'' ने अभिभावकों एवं दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इसके पश्चात् समर कैंप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और खेल स्पर्धाओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। जिसमें बेस्ट स्टूडेन्ट ऑफ समर कैंप का पुरस्कार मोंट फोर्ट स्कूल के 8 वीं कक्षा की छात्रा कुमारी आयुषी श्रीवास्तव ने जीता तथा कार्यक्रम का कुशल संचालन 9 वीं कक्षा के छात्र अंकुर सिंहा एवं छात्रा कुमारी आयुषी श्रीवास्तव ने किया।

अम्बिकापुर। 'समर कैंप' कार्यक्रम में मंचासीन हैं विधायक टी.एस.सिंह देव, कुलपति सुनील वर्मा, हस्त शिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष अनिल सिंह मेजर, ब्र.कु.विद्या, स्कूल के बच्चे तथा उनके माता-पिता।

समरपार्क, इंदौर। पुरस्कार वितरण करते हुए म.प्र.पावर ट्रांसमिशन, जबलपुर के मुख्य अभियंता ब्र.कु.विजय तिवारी साथ में हैं भिलाई की ब्र.कु.माधुरी, ब्र.कु.अनु एवं ब्र.कु.शारदा।

रतलाम। जिलाधिकारी राजेन्द्र शर्मा को 'व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी' की व्याख्या करते हुए ब्र.कु.संगीता तथा अन्य।

महालक्ष्मी नगर, इंदौर। राजयोग प्रवचन माला का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए पायोनियर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रमोद जैन, ब्र.कु.अनिता, ब्र.कु.अनु तथा अन्य।

राजगढ़। जिला पंचायत अध्यक्षा सुमित्रा भिलाला एवं सारंगपुर की जनपद अध्यक्षा सुमित्रा पाटीदार को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.मधु।

छुईखदान। आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं राजयोग शिविर का उद्घाटन करते हुए खैरागढ़ के विधायक कोमल जंघेल, जिला पंचायत सदस्य गिरधर जंघेल, ब्र.कु.पुष्पा तथा अन्य।

अमितेश नगर, इंदौर। 'दिव्य प्रवचन माला' का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए प्रो.नीतिश दुबे, ब्र.कु.अनिता, ब्र.कु.श्रुति अन्य।